जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 96 प्रभात कोटा, गुरुवार 18 जनवरी, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ऑस्ट्रेलिया में ''वाइट्स सी हॉर्स'' का पुनर्वास लगातार जारी है। वाइट्स सी हॉर्स ऑस्ट्रेलिया के आइकन माने जाते हैं और ऑस्ट्रेलिया में इन्हें दुर्लभ जानवरों की श्रेणी में रखा गया है। मई में सैंकड़ों वाइट्स सी हॉर्स न्यू कासल के उत्तरी भाग में विशेष रुप से बनाए गए ''बाड़ों'' में छोड़े गए थे। संरक्षित केन्द्रों में जन्मे सी हॉर्स के इतिहास का यह अब तक का सबसे बड़ा पुनर्वास था। अब सिडनी हार्बर के उत्तर में क्लोनटार्फ नाम के स्थान पर एक टाइडपूल में इनका पुनर्वास किया जाएगा। इन सी हॉर्स का प्रजनन सिडनी के सी लाइफ एक्वेरियम में करवाया गया था। एक्वेरियम की क्यूरेटर लॉरा सिमन्स का कहना है कि, 2024 में कुछ और सी हॉर्स छोड़े जाने हैं। वाइट्स सी हॉर्स, जिन्हें न्यू हॉलैण्ड सी हॉर्स भी कहते हैं, में कई रोचक विशेषताएं होती हैं। इनमें ''ओवोवीवीपैरस'' प्रजनन होता है। जिसमें मादा अण्डे पैदा करती है तथा ट्यूब जैसी एक संरचना, ओविपॉज़िटर (अंड-निक्षेपक) के जरिए अंडों को नर के शरीर में बनी थैली में डाल देती है, जहां अंडे फर्टिलाइज़ होते हैं और बच्चे निकलने तक अंडे वहीं रहते हैं। ये सी हॉर्स एक सीजन में एक ही पार्टनर के साथ प्रजनन करते हैं। इनकी संख्या कुछ वर्षों से निरंतर कम हो रही है। सिमन्स ने कहा, ''हम इस रुझान को बदलना चाहते हैं और इन्हें पुनः स्थापित करना चाहते हैं। ये हमारे सी हॉर्स हैं, ऑस्ट्रेलिया के आईकन हैं।'' सिमन्स ने बताया कि, पूर्व में क्लोनटार्फ से सिडनी हार्बर में चाओडर बे, बॉटनी बे और लिटिल मैनली बीच पर कुल400 सी हॉर्स का सफल पुनर्वास हो चुका है।

प्र.मंत्री मोदी ने दक्षिण भारत में पैर जमाने के प्रयास और तेज किये

तमिलनाडू के बाद केरल में 3 मेगा प्रॉजैक्ट लगाने की घोषणा की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रख दक्षिण भारत में निरन्तर प्रयासरत हैं। तमिलनाडु में हजारों करोड़ रूपयों के प्रोजैक्ट्स का उद्घाटन करने के कुछ दिन बाद वे अब केरल दौरे पर हैं और इस राज्य में भी अपने तीव्र विकास के एजेण्डे में राम मंदिर मुद्दे का मिश्रण कर रहे हैं जहाँ भाजपा ने अभी अपना खाता भी नहीं खोला हैं।

सभी जानते हैं कि, केरल में भाजपा का सिर्फ एक विधायक रहा है। वह भी वर्ष 2016 में जीता था। भाजपा केरल से लोकसभा की अब तक एक भी सीट जीत नहीं सकी है। लेकिन, सतत प्रयासरत प्रधानमंत्री मजबूत विकास पर जोर देने के साथ ही रामायण के प्रति, खासतौर पर ''रामायण मासम'' के दौरान केरल की आस्था की बात भी कह रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि, ''श्रीराम ज्योति'' को पूरी समरसता के साथ प्रज्ज्वलित किया जाएगा।

- **ये चार हजार करोड़ रूपये की लागत से लगने वाले प्रोजैक्ट कोची में स्थित होंगे।**
- **मोदी ने इन प्रोजैक्ट्स को बुधवार को कोची में लॉन्च करते समय राम के प्रति केरल की जनता की आस्था व श्रद्धा का भी स्मरण कराया और प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व बुधवार की प्रातः गुरूवयूरप्पन मंदिर के दर्शन करे तथा साथ ही कुछ देर पहले रामास्वामी मंदिर में पूजा करने व दर्शन करने को अपना सौभाग्य बताया।**
- **22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि, वे उस दिन सभी मंदिरों में सफाई अभियान के रूप में करें।**

प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के 22 जनवरी को हो रहे भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और केरल में पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि, वे मंदिरों, गांवों, शहरों और बूथों में सफाई अभियान चलाएं।

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक व्यक्ति से भगवान का नाम लेने की अपील करते हुए कहा कि, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को है, लेकिन उम्मीद है कि, देश के प्रत्येक मंदिर और घर में दिव्य जोत प्रदीप्त की जाएगी।

लेकिन उनका फोकस स्पष्ट रूप से विकास पर था। उन्होंने अपने दो दिवसीय केरल दौरे की समाप्ति से पूर्व आज कोच्चि में 4,000 करोड़ रूपयों से अधिक के तीन बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स का उद्घाटन किया।

इनमें कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सी.एस.एल.) में न्यू ड्राई डॉक, सी.एस.एल. की इन्टरनैशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आई.एस.आर. एफ.) और कोच्चि के पुथुवाइपीन में इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड का एल.पी.जी. इम्पोर्ट थर्मल शामिल है। ये प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स भारत के बंदरगाहों, जहाजरानी और जलमार्ग सैक्टर्स की कायापलट करने और उनके क्षमता निर्माण एवं आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री के स्वप्न के अनुरूप हैं।

प्रधानमंत्री ने जनसमूह को संबोधित करते हुए आज सुबह किए गए भगवान गुरुवायुरप्पन के दर्शन का जिक्र किया। उन्होंने स्मरण कराया कि, अयोध्या धाम में महर्षि वाल्मिकी इन्टरनैशनल एयरपोर्ट के हाल ही में हुए उद्घाटन के दौरान उन्होंने अपने संबोधन में केरल के उन पवित्र मंदिरों का उल्लेख किया था जो रामायण से सम्बद्ध हैं। उन्होंने कहा कि, अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा से कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुरक्षा व नौकरी की गारन्टी के बिना मजदूरों को इज़रायल नहीं भेजें- सीटू

चंडीगढ़ , 17 जनवरी। सेंटर फॉर इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) ने इजराइल में मजदूर और कामगार भेजने के हरियाणा सरकार के फैसले की निंदा करते हुये बुधवार को आरोप लगाया कि मजदूरों को उनकी सुरक्षा और नौकरी/ आय की गारंटी की कोई जिम्मेदारी लिये बिना इजरायल भेजा जा रहा है। सीटू हरियाणा अध्यक्ष सुरेखा, महासचिव जय भगवान ने यहाँ जारी बयान में कहा कि इज़राइल ने फिलिस्तीन पर अमानवीय बर्बर नरसंहार युद्ध छेड़ा हुआ है।

इसके कारण अब तक 25000 के करीब फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। दुनिया भर में इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं।

ऐसे में इजरायल को भारतीय मजदूर उपलब्ध कराने की केन्द्र/हरियाणा सरकार की पहल निंदनीय है। बयान के अनुसार, सीटू ने सरकार से मांग की है कि भारतीय मजदूर उपलब्ध कराने के लिये इज़रायल के साथ किये गये समझौते को रद्द किया जाये।

विदेश मंत्री मछुआरों को छुड़ायें - स्टालिन

चेन्नई, 17 जनवरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़े गए सभी मछुआरों और उनकी मछली पकड़ने वाली नौकाओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। स्टालिन ने कहा कि, तमिलनाडु के 28 मछुआरों को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने पर गिरफ्तार किया गया था।

आगरा जामा मस्जिद पर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति खारिज

आगरा, 17 जनवरी। ताजनगरी आगरा स्थित शाही जामा मस्जिद की सीढ़ि यों में केशव देव मंदिर के श्रीकृष्ण विग्रह दबे होने के मामले में बुधवार को मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। मुस्लिम पक्ष की ओर से क्षेत्राधिकार को लेकर दी गई चुनौती को न्यायालय ने खारिज कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई दो फरवरी को होगी।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के नेतृत्व में श्रीकृष्ण जन्म भूमि संरक्षित सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज पांडेय, सचिव पीयूष गर्ग और कोषाध्यक्ष कृष्ण शर्मा ने आगरा की शाही जामा मस्जिद के बारे में पिछले साल मई माह में वाद दायर किया था।

वादी पक्ष का दावा है कि, जामा मस्जिद की सीढ़ि यों के नीचे केशवदेव मंदिर के श्रीकृष्ण के विग्रह दबे हैं। श्रीकृष्ण जन्म स्थान, सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ और इंतजामिया कमेटी शाही जामा मस्जिद आदि को प्रतिवादी बनाया गया। मामले की सुनवाई लघु वाद न्यायाधीश के न्यायालय में चल रही है।वादी पक्ष के अधिवक्ता विनोद कुमार शुक्ला के अनुसार प्रतिवादी की ओर से कहा गया था कि, प्रार्थना पत्र दिया गया था कि यह वाद यहां पर दायर नहीं हो सकता। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मेरिट पर अपना निर्णय दिया। प्रतिवादी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया गया है। अब दो फरवरी को जामा मस्जिद के सर्वे व एएसआई को पार्टी बनाने के लिए दी गई प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई होगी।

एक फरवरी से आयोजित होगा पांच दिवसीय जयपुर लिटरेचर फैस्टिवल

इस बार 550 वक्ता, कलाकार व लेखक भाग लेंगे इस साहित्यिक आयोजन में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। एक फरवरी से 5 फरवरी तक आयोजित होने वाले जयपुर लिटरेचर फैस्टिवल का आगामी साहित्यिक समारोह, पिछले संस्करणों की तुलना में कम भव्य होने की संभावना नहीं है।

यह महोत्सव, गुलाबी शहर के लिए एक वार्षिक बुकमार्क बन गया है तथा इस वर्ष यह विभिन्न राष्ट्रीयताओं के लगभग 550 वक्ताओं, कलाकारों और लेखकों की मेज़बानी करेगा।

बुकर पुरस्कार, पुलित्ज़र, साहित्य अकादमी, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, दक्षिण एशियाई साहित्य के लिये डी.एस.सी. पुरस्कार जैसे प्रमुख पुरस्कारों के विजेता, इस महोत्सव में भाग लेंगे। महोत्सव की सह-निदेशक नमिता गोखले ने बताया कि, इस वर्ष महोत्सव में, 16 भारतीय भाषाओं और 25 विभिन्न देशों के लेखक सम्मिलित होंगे। दुनिया भर के विचारों और भिन्न-भिन्न थीम्स, जैसे कि, गणित, संगीत, ऊँट से लेकर व्यंजन तक, पर्यावरण से लेकर अर्थशास्त्र और परिकल्पना से गुटबाजी तक, पर मंथन होगा। लेखक और इतिहासकार, विलियम डैलरिम्पल भी इस महोत्सव में शामिल होंगे।

- **जे.एल.एफ. के आयोजक संजॉय रॉय ने कहा कि, जे.एल.एफ. के दौरान सामान्तर रूप से जयपुर बुकमार्क भी आयोजित होगा, जिसमें प्रकाशक, सम्पादक, लिटरेरी एजेन्ट्स, लेखक, अनुवादक व पुस्तकों के विक्रेता आप से बातचीत कर सकेंगे।**

नमिता गोखले, जो इस महोत्सव की सह-लेखिका भी हैं, ने विश्वास व्यक्त किया कि, इस वर्ष (2024) का महोत्सव, जो महानतम उपन्यासकारों, कवियों, पर्यावरणविदों, खोजी पत्रकारों, इतिहासकारों, वैज्ञानिकों, यात्रा लेखकों व अन्य गणमान्य लोगों से सुशोभित होगा, अब तक का सबसे बेहतरीन महोत्सव होगा। महोत्सव में महान साहित्यिक हस्तियाँ और असाधारण विचारक मुक्त रूप से अपने विचार रखेंगे। यह एक वैश्विक महासंगोष्ठी या एक मैगा विश्वविद्यालय की तरह होगा, जो पूरे पाँच दिनों के लिये, इसमें शामिल होने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए अपने द्वार खोल रहा है।

जयपुर लिटरेचर फैस्टिवल आज दुनिया का सबसे लोकप्रिय साहित्यिक उत्सव माना जाता है। टीमवर्क आर्ट्स के, संजॉय के रॉय, जो कि, इस कार्यक्रम के निर्माता हैं, ने बताया कि, इस वर्ष का मुख्य आकर्षण, भारतीय लेखकों, कलाकारों की बढ़ती भागीदारी है। इस वर्ष असमिया, अवधी, बंजारा, बंगाली, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, उड़िसा, संस्कृत आदि के लेखक महोत्सव में सम्मिलित होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डिप्टी सी.एम. दिया कुमारी के ससुर पंच तत्व में विलीन

बौंली- बामनवास, 17 जनवरी (निस)। राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के श्वसुर, क्षेत्र के कोटडा गांव के गढ़ ठिकाना तहसील मित्रपुरा, उपखंड बौंली के निवासी ठाकुर बुद्ध सिंह (91), का मंगलवार को जयपुर में निधन हो गया।

- **जयपुर राज परिवार के उत्तराधिकारी पद्मनाभ सिंह एवं राजकुमारी गौरवी भी अपने दादा ठाकुर बुद्ध सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुईं।**

ठाकुर बुद्ध सिंह की अंत्येष्टि उनके पैतृक गांव कोटडा में बुधवार को दोपहर बाद की गई। ज्ञातव्य है कि, ठाकुर बुद्ध सिंह के छोटे पुत्र नरेंद्र सिंह ने जयपुर राज परिवार में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश यादव ने ''संविधान बचाओ, देश बचाओ'' यात्रा की शुरुआत की

इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में आयोजित समारोह में अखिलेश यादव ने कहा कि, यात्रा डॉक्टर अम्बेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया व मुलायम सिंह यादव की ''आइडियोलॉजी'' गांव-गांव पहुंचायेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। पार्टी कैडर को संगठित करने के प्रयास के तहत, समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनावों की निकटता को देखते हुए आज ''संविधान बचाओ, देश बचाओ समाजवादी पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) यात्रा'' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसका लक्ष्य है, जनता तक पहुंच बनाना।

एक सवाल के जवाब में, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि, राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' में उनके शामिल होने की कोई संभावना नहीं है'' क्योंकि, ''न तो कांग्रेस और न ही भाजपा उनको अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करते हैं।''

- **यादव ने यह भी कहा कि, उनकी राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होने की संभावना कम है, क्योंकि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस कभी उन्हें अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करते हैं।**

सूत्रों के अनुसार, सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आर.एल.डी. के मध्य वार्ता चल रही है। सूत्रों ने यह भी कहा कि, वार्ता के विवरण सोच समझ कर गोपनीय रखे गए हैं क्योंकि भाजपा इस वार्ता को नाकाम करने की पूरी कोशिश कर रही है। यादव ने पार्टी कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर यात्रा रवाना करने के बाद कहा कि, यह यात्रा डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव की सैद्धांतिक विचारधाराओं को देश के हर छोटे बड़े गांवों तक पहुंचाएगी।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि, ''हमने पुराने समाजवादियों के सपनों को साकार करने की प्रतिज्ञा की है और यह यात्रा प्रदेश के अनेक जिलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर.ए.एस.-2023 की उत्तर कुंजी पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जयपुर, 17 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस एवं अधीनस्थ सेवा भर्ती-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम और उत्तर कुंजी को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कीर्ति पारीक व अन्य की ओर से दायर याचिका में दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद दिए।

- **याचिका के अनुसार अभ्यर्थियों की आपत्तियों का निस्तारण किये बगैर आर.पी.एस.सी. ने परिणाम जारी कर दिये थे।**

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि आरपीएससी ने गत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में समाहित करने के लिये जनता से सुझाव मांगे

जनता के सुझाव प्राप्त करने के लिये कांग्रेस ने एक वेबसाइट व ई-मेल आई.डी. लॉन्च की है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। कांग्रेस पार्टी ने जनता में अपनी पहुंच बनाने के एक और प्रयास के तहत आज कहा कि, ''इण्डिया'' गठबंधन की पार्टियों का एक संयुक्त घोषणा पत्र हो इसके बारे में निर्णय सभी सहयोगी पार्टियों के प्रमुखों द्वारा ही किया जाएगा। साथ ही कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए अपने स्वयं के घोषणा पत्र पर जनता के सुझाव जानने के लिए एक वैबसाइट व एक ई-मेल आई.डी. भी लाँच की।

ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी की घोषणा पत्र कमेटी के अध्यक्ष पी. चिदम्बरम ने बताया कि, पार्टी घोषणा पत्र के लिए सुझाव लेने के लिए प्रत्येक राज्य में कम से कम एक सार्वजनिक विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने पत्रकारों को बताया कि, इन सार्वजनिक विचार-विमर्श कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए इण्डिया गठबंधन की सहयोगी पार्टियों का स्वागत है।

कांग्रेस नेता एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि, इण्डिया गठबंधन के साझा घोषणा पत्र के बारे में गठबंधन की सभी पार्टियों के प्रमुखों द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

- **कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष पी. चिदम्बरम ने यह भी कहा कि, विपक्षी दलों के संगठन, ''इंडिया'' के नेतागण निर्णय लेंगे, कि ''इंडिया'' का अपना अलग से घोषणा पत्र होगा या कांग्रेस के घोषणा पत्र को कुछ परिवर्तन प्रतिवर्द्धन करके, ''इंडिया'' के चुनाव घोषणा पत्र के रूप में स्वीकार किया जायेगा।**
- **चिदंबरम ने इस संदर्भ में आगे यह भी कहा कि, हर राज्य में कम से कम दो पब्लिक कन्सल्टेशन्स आयोजित किया जायेंगे और जनता से रू-ब-रू होकर सुझाव लिये जाये।**

उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र पर सुझाव देने के लिए समाज के सभी वर्गों का स्वागत है। इसके लिए एक ई-मेल आई.डी. और awaazbharatki.in नामक वैबसाइट को आज लाँच कर दिया गया है। चिदम्बरम ने कहा कि, घोषणा पत्र कमेटी की जहां दो मीटिंग्स हो चुकी हैं, वहीं, वैबसाइट और ई-मेल आई.डी. की शुरुआत करने के पीछे सोच यह है कि, आम जनता से, जितना संभव हो उतने सुझाव लिए जाएं, क्योंकि अन्ततः यह जनता का ही घोषणा पत्र होगा।

घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने की अंतिम समय सीमा के बारे में पूछने पर पूर्व वित्त एवं गृह मंत्री ने कहा कि, एक आदर्श समय सीमा के रूप में वह चाहेंगे कि, यह काम 15 फरवरी तक पूर्ण हो जाए।

चिदम्बरम ने बताया कि, घोषणा कमेटी के सभी 15 सदस्य भी जनता के सुझाव लेने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि, कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में तीन आपराधिक कानूनों सहित भाजपा नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए अनुचित कानूनों का भी उल्लेख होगा। जब यह पूछा गया कि, क्या घोषणा पत्र में तीन आपराधिक कानूनों के बारे में पार्टी के विचार भी शामिल किए जाएंगे, तो चिदम्बरम ने कहा कि, इन कानूनों के खिलाफ उनकी व कांग्रेस के अन्य नेताओं की विरोधी प्रतिक्रिया पहले से ही सार्वजनिक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने बीकानेर हाउस में बैठक ली

जयपुर, 17 जनवरी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने नई दिल्ली में राजस्थान सरकार के प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

इस दौरान ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।